>

Title: Problems faced by distributors caused due to cease of Right Concept Marketing company (RCM).

श्री तूफानी सरोज (मछलीशहर): सभापति जी, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आर.सी.एम. (राइट कंसैप्ट मार्केटिंग) के वितरकों के समक्ष उत्पन्न भुखमरी की स्थिति की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। भीलवाड़ा राजस्थान की एम.एल.एम. की आर.सी.एम. कंपनी द्वारा तैयार दैनिक उपयोग के उत्पादों की बिक्री के लक्ष्यों को पूरा करके लोग इंसैन्टिव प्राप्त करते रहे हैं और उससे अपने परिवार का जीविकोपार्जन करते रहे हैं। देश भर में इस काम में 1 करोड़ 37 लाख लोग लगे हुए हैं, पर सरकार द्वारा चिट फंड एवं मनी कलैक्शन के आरोप में उपरोक्त कंपनी को 8 दिसम्बर 2011 को सीज़ कर दिया गया है जिससे उसके सारे स्टोर बंद हो गए हैं। परिणामस्वरूप कंपनी के उत्पादों की बिक्री से जुड़े लोग बेरोज़गार हो गए हैं और उनके परिवार के सामने भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है। सरकार के इस कदम के खिलाफ आर.सी.एम. कंज्यूमर एंड डिस्ट्रिब्यूशन वेरिफिकेशन एसोसियेशन की अगुवाई में बड़ी संख्या में लोग जंतर मंतर पर धरना दे रहे हैं। कई दिनों से यहां धरना चल रहा है। उनका कहना है कि केरल में 360 मल्टी लेवल मार्केटिंग कम्पनियां कार्यरत थीं, जिन्हें बंद कर दिया गया था। कम्पनी के कारोबार से जुड़े लोगों द्वारा जब वहां की सरकार को कम्पनी की गतिविधि के विषय पर विस्तार से जानकारी दी गई, तो वहां की सरकार ने एक गाइड लाइन बनाई और उसी के आधार पर दो कम्पनियां आरसीएम और एमएलएम काम कर रही हैं। सरकार ने एमएलएम पर कोई कानून नहीं बनाया है। वितरण से जुड़े लोग चाहते हैं कि सरकार एमएलएम पर कानून बनाए। सरकार चाहे तो कम्पनी की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच कराए और दोषी पाए जाने पर उसके खिलाफ कार्यवाही भी करे, लेकिन जब तक दोष सिद्ध नहीं हो जाता है, तब तक कम्पनी की वितरण प्रणाली को बहाल किया जाए, ताकि लाखों लोगों के भूखे मरने की स्थिति पैदा न हो। जब किसी को रोजगार देने का हक नहीं है, तो किसी का रोजगार छीनने का हक भी किसी को नहीं होना चाहिए।

अतः हमारी मांग है कि...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Nothing will go on record.

(Interruptions) *

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): सभापति महोदय, मैं श्री तूफानी सरोज द्वारा उठाए गए विषय से अपने को सम्बद्ध करता हूं।